प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

पंतनगर में डा. डोभाल ने दिया स्मृति व्याख्यान

पंतनगर। १३ नवम्बर, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय के स्थापना सप्ताह के तीसरे दिन आज भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत स्मृति व्याख्यान का डा. रतन सिंह सभागार में आयोजन हुआ। अपरान्ह ४.०० बजे हुए इस तेरहवें व्याख्यान के व्याख्यानकर्ता उत्तराखण्ड प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट), देहरादून, के महानिदेशक, डा. राजेन्द्र डोभाल थे, जिनके व्याख्यान का विषय था 'विश्व व्यापार संगठन एवं भारतीय कृषि पर इसके प्रभाव'। कार्यक्रम की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा, ने की।

अपने व्याख्यान में डा. डोभाल ने बताया कि भारत में ६९ प्रतिशत आबादी ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर निर्भर है तथा १ हैक्टर से कम जमीन वाले किसानों की हिस्सेदारी ६७ प्रतिशत है। लगभग ७० प्रतिशत खेती मानसून पर निर्भर है। उन्होंने बताया कि भारत विश्व में दूसरा सबसे बडा कृषि उत्पादक देश है परन्तु अन्य देशों की तुलना में इसकी उपज अभी भी बहुत कम है, जिसके लिए उन्होंने अधिक उपज सुधार प्रौद्योगिकी एवं इसके प्रसार की अत्यन्त आवश्यकता बतायी। डा. डोभाल ने कहा कि हाइब्रिड बीज व उचित सिचाई सुविधाओं का प्रयोग उपज बढ़ाने में सहायक होता है। अतः सिंचित क्षेत्रों के लिये अधिक से अधिक उन्नत किस्में एवं कृषि प्रौद्योगिकी को अपनाने की उन्होंने वकालत की। डा. डोभाल ने कहा कि विश्व व्यापार संगठन के प्रभावों को देखते हुए भारतीय कृषि उत्पादों की प्रासंगिकता एवं विभिन्न देशों के लोगों की आय के स्तर के बीच एक बडा अन्तर दिखाई देता है। अमीर देश गरीब देशों के संसाधनों एवं बाजारों तथा श्रम बलों का सबसे कम कीमत पर आकलन करते है। अतः अन्तर्राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी, गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर कृषि क्षेत्र में उत्पाद पर ध्यान देने के लिए उन्होंने कहा।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में कुलपति, डा. ए.के. मिश्रा, ने पंतनगर विश्वविद्यालय द्वारा किसानों के हित में किये जा रहे प्रयासों एवं विश्व व्यापार संगठन के समझौतो से भारतीय कृषि पर पड़ने वाले प्रभावों से अवगत कराया। इस अवसर पर प्रो. मिश्रा ने डा. डोभाल को शाल ओढ़ाकर एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। वक्ता एवं व्याख्यानमाला के बारे में डा. आर.के. श्रीवास्तव, प्राध्यापक, पर्यावरण विज्ञान विभाग एवं अध्यक्ष भारत रत्न गो.ब. पंत स्मृति व्याख्यानमाला आयोजन समिति, द्वारा कराया गया। कुलसचिव, डा. ए.पी. शर्मा, ने भारत रत्न पं. गोविन्द बल्लभ पंत के जीवन पर विस्तृत प्रकाश डाला। कार्यक्रम के प्रारम्भ में अधिष्ठाता, विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय, डा. ए.के. शुक्ला, द्वारा सभा में उपस्थित सभी लोगों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के अधिष्ठाता, निदेशक, संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

भारत रत्न पंडित गोविन्द बल्लभ पंत स्मृति व्याख्यान के व्याख्यानकर्ता, डा. राजेन्द्र डोभाल, को शाल ओढ़ाकर एवं प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित करते कुलपति, प्रो. ए.के. मिश्रा।